



Pawan Bangadwa

05 Aug 1989

11:05 PM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121249314

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 05/08/1989
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 23:05:00 घंटे
इष्ट _____: 42:11:00 घटी
स्थान _____: Barmer
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:43:00 उत्तर
रेखांश _____: 71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:20:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:59 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:17:39 घंटे
सूर्योदय _____: 06:12:36 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:27:35 घंटे
दिनमान _____: 13:14:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 19:32:57 कर्क
लग्न के अंश _____: 02:32:47 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: उ०फाल्गुनी - 3
नक्षत्र स्वामी _____: सूर्य
योग _____: शिव
करण _____: विष्टि
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गौ
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: पा-पवन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

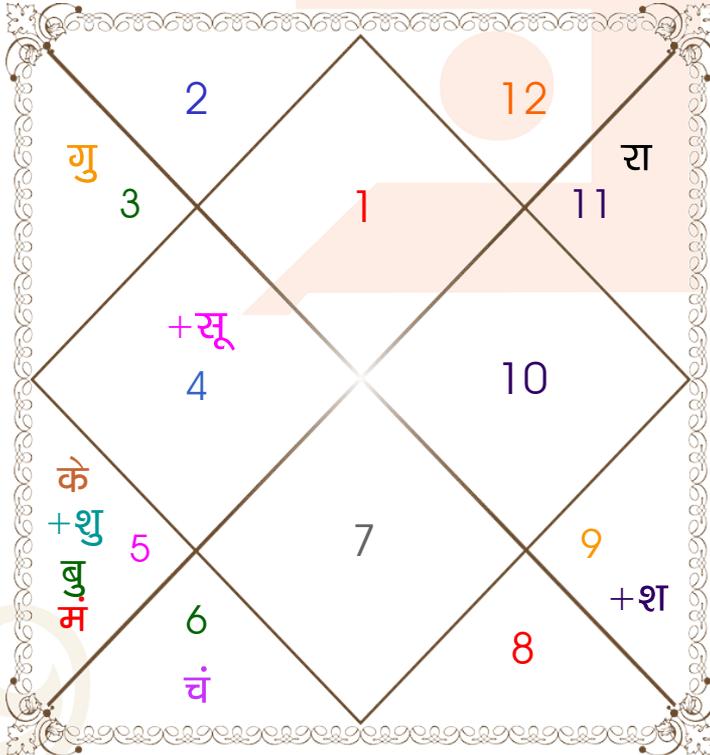
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	मेष	02:32:47	470:49:42	अश्विनी	1 1	मंगल	केतु	शुक्र ---
सूर्य	कर्क	19:32:57	00:57:29	आश्लेषा	1 9	चंद्र	बुध	शुक्र मित्र राशि
चंद्र	कन्या	05:50:43	11:58:14	उ०फाल्गुनी	3 12	बुध	सूर्य	बुध मित्र राशि
मंगल	अ सिंह	07:39:06	00:37:51	मघा	3 10	सूर्य	केतु	गुरु मित्र राशि
बुध	सिंह	07:27:50	01:41:13	मघा	3 10	सूर्य	केतु	राहु मित्र राशि
गुरु	मिथु	07:26:28	00:11:53	आर्द्रा	1 6	बुध	राहु	राहु शत्रु राशि
शुक्र	सिंह	21:31:35	01:11:58	पू०फाल्गुनी	3 11	सूर्य	शुक्र	गुरु शत्रु राशि
शनि	व धनु	14:37:08	00:03:12	पूर्वाषाढा	1 20	गुरु	शुक्र	शुक्र सम राशि
राहु	कुंभ	02:05:48	00:01:05	धनिष्ठा	3 23	शनि	मंगल	केतु मित्र राशि
केतु	सिंह	02:05:48	00:01:05	मघा	1 10	सूर्य	केतु	शुक्र शत्रु राशि
हर्ष	व धनु	08:07:24	00:01:37	मूल	3 19	गुरु	केतु	गुरु ---
नेप	व धनु	16:26:12	00:01:17	पूर्वाषाढा	1 20	गुरु	शुक्र	चंद्र ---
प्लूटो	तुला	18:42:18	00:00:28	स्वाति	4 15	शुक्र	राहु	चंद्र ---
दशम भाव	धनु	24:12:11	--	पूर्वाषाढा	-- 20	गुरु	शुक्र	बुध --

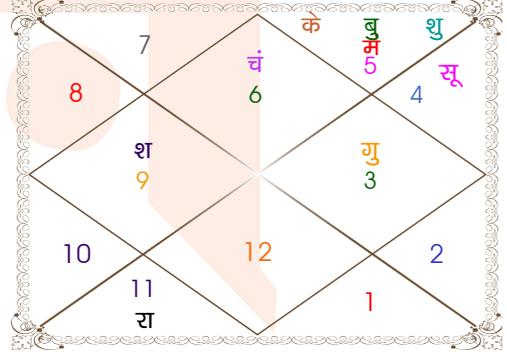
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:53

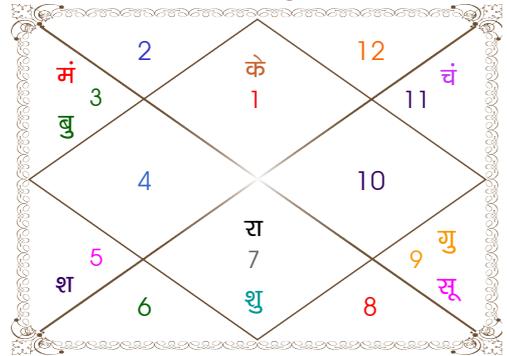
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 10 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
05/08/1989	19/06/1991	19/06/2001	19/06/2008	19/06/2026
19/06/1991	19/06/2001	19/06/2008	19/06/2026	19/06/2042
00/00/0000	चंद्र 19/04/1992	मंगल 15/11/2001	राहु 02/03/2011	गुरु 06/08/2028
00/00/0000	मंगल 18/11/1992	राहु 03/12/2002	गुरु 25/07/2013	शनि 18/02/2031
00/00/0000	राहु 20/05/1994	गुरु 09/11/2003	शनि 31/05/2016	बुध 25/05/2033
00/00/0000	गुरु 19/09/1995	शनि 18/12/2004	बुध 19/12/2018	केतु 01/05/2034
00/00/0000	शनि 19/04/1997	बुध 15/12/2005	केतु 06/01/2020	शुक्र 30/12/2036
05/08/1989	बुध 18/09/1998	केतु 14/05/2006	शुक्र 06/01/2023	सूर्य 19/10/2037
बुध 11/02/1990	केतु 19/04/1999	शुक्र 14/07/2007	सूर्य 01/12/2023	चंद्र 18/02/2039
केतु 19/06/1990	शुक्र 18/12/2000	सूर्य 19/11/2007	चंद्र 01/06/2025	मंगल 24/01/2040
शुक्र 19/06/1991	सूर्य 19/06/2001	चंद्र 19/06/2008	मंगल 19/06/2026	राहु 19/06/2042

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
19/06/2042	19/06/2061	19/06/2078	19/06/2085	20/06/2105
19/06/2061	19/06/2078	19/06/2085	20/06/2105	00/00/0000
शनि 22/06/2045	बुध 15/11/2063	केतु 15/11/2078	शुक्र 18/10/2088	सूर्य 07/10/2105
बुध 01/03/2048	केतु 12/11/2064	शुक्र 15/01/2080	सूर्य 19/10/2089	चंद्र 08/04/2106
केतु 10/04/2049	शुक्र 13/09/2067	सूर्य 22/05/2080	चंद्र 19/06/2091	मंगल 14/08/2106
शुक्र 09/06/2052	सूर्य 19/07/2068	चंद्र 21/12/2080	मंगल 18/08/2092	राहु 09/07/2107
सूर्य 22/05/2053	चंद्र 18/12/2069	मंगल 19/05/2081	राहु 19/08/2095	गुरु 26/04/2108
चंद्र 22/12/2054	मंगल 16/12/2070	राहु 07/06/2082	गुरु 19/04/2098	शनि 08/04/2109
मंगल 31/01/2056	राहु 04/07/2073	गुरु 14/05/2083	शनि 20/06/2101	बुध 06/08/2109
राहु 07/12/2058	गुरु 10/10/2075	शनि 22/06/2084	बुध 20/04/2104	00/00/0000
गुरु 19/06/2061	शनि 19/06/2078	बुध 19/06/2085	केतु 20/06/2105	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 10 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगतिशील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नहीं सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकितता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नहीं करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नहीं रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्रा आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नहीं कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन हैं। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।